Neh

Chapter 8

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

הַמָּיִם	שַׁעַר־	לִפְנֵי	אֲשֶׁר	הָרְחֹוב	אֶל־	אֶחָד	כְּאִישׁ	הָעָם	כָּל־	וַיֵּאָסְפוּ	1
जल-के	फाटक	सामने	जो	चौक	में	एक	मनुष्य-की-तरह	लोग	सब	और-इकट्ठे-हुए	
H4325	H8179	H6440		H7339	H0413	H0259	H0376		H3605	H0622	

יְהוָה	צִוָּה	אֲשֶׁר־	מֹשֶׁה	תּוֹרַת	סֵפֶר	אֶת־	לְהָבִיא	הַסֹּפֵר	לְעֶזְרָא	וַיֹּאמְרוּ
यहवेह-ने	आज्ञा-दी-थी	जो	मूसा-की	व्यवस्था-की	पुस्तक	को	लाने-को	शास्त्री	एज्रा-से	और-कहा
H3068	H6680		H4872	H8451		H0853	H0935		H5830	H0559

יִשְׂרָאֵל׃	אֶת־
इस्राएल	को
H3478	H0853

फिर साल के सातवें महीने में इस्राएल के सभी लोग आपस में इकट्ठे हुए। वे सभी एक थे और इस प्रकार एकमत थे जैसे मानो वे कोई एक व्यक्ति हो। जलद्वार के सामने के खुले चौक में वे आपस में मिले। एज्रा नाम के शिक्षक से उन सभी लोगों ने मूसा की व्यवस्था के विधान की पुस्तक को लाने के लिये कहा। यह वही व्यवस्था का विधान है जिसे इस्राएल के लोगों को यहोवा ने दिया था।

מֵבִין	וְכֹל	אִשָּׁה	וְעַד־	מֵאִישׁ	הַקָּהָל	לִפְנֵי	הַתּוֹרָה	אֶת־	הַכֹּהֵן	עֶזְרָא	וַיָּבִיא	2
समझने-वाले	और-सब	स्त्रियों	और	पुरुषों-के	सभा-के	सामने	व्यवस्था	को	याजक-ने	एज्रा	तब-लाया	
H0995	H3605	H0802	H5704	H0376	H6951	H6440	H8451	H0853	H3548	H5830	H0935	

הַשְּׁבִיעִי׃	לַחֹדֶשׁ	אֶחָד	בְּיוֹם	לִשְׁמֹעַ	
सातवें	महीने-के	पहले	दिन-में	सुनने-को	
H7637	H2320	H0259	H3117	H8085	

सो याजक एज्रा परस्पर इकट्ठे हुए। उन लोगों के सामने व्यवस्था के विधान की पुस्तक को ले आया। उस दिन महीने की पहली तारीख़ थी और वह महीना वर्ष का सातवाँ महीना था। उस सभा में पुरुष थे, स्त्रियाँ थीं, और वे सभी थे जो बातों को सुन और समझ सकते थे।

מַחֲצִית	עַד־	הָאוֹר	מִן־	הַמַּיִם	שַׁעַר־	לִפְנֵי	וַאֲשֶׁר	הָרְחֹוב	לִפְנֵי	בּוֹ	וַיִּקְרָא־	3
दोपहर	से	सुबह	से	जल-के	फाटक	सामने	जो	चौक	में	उसमें-से	और-पढ़ा	
H4276	H5704	H0216		H4325	H8179	H6440		H7339	H6440		H7121	

הַתּוֹרָה׃	סֵפֶר	אֶל־	הָעָם	כָּל־	וְאָזְנֵי	וְהַמְבִינִים	וְהַנָּשִׁים	הָאֲנָשִׁים	נֶגֶד	הַיּוֹם
व्यवस्था-की	पुस्तक	की-ओर	लोगों-के	सब	और-कान	और-समझने-वालों	और-स्त्रियों	पुरुषों	सामने	तक
H8451		H0413		H3605	H0241	H0995	H0802	H0376	H5048	H3117

एज्रा ने भोर के तड़के से लेकर दोपहर तक ऊँची आवाज में इस व्यवस्था के विधान की पुस्तक से पाठ किया। उस समय एज्रा का मुख उस खुले चौक की तरफ था जो जल—द्वार के सामने पड़ता था। उसने सभी पुरुषों, स्त्रियों और उन सभी लोगों के लिये उसे पढ़ा जो सुन—समझ सकते थे। सभी लोगों ने व्यवस्था के विधान की पुस्तक को सावधानी के साथ सुना और उस पर ध्यान दिया।

וַיַּעֲמֹד	לְדָבָר	עָשׂוּ	אֲשֶׁר	עֵץ	מִגְדַּל־	עַל־	הַסֹּפֵר	עֶזְרָא	וַיַּעֲמֹד	4
और-खड़े-थे	उद्देश्य-के-लिए	बनाया-था	जो	लकड़ी-के	मंच	पर	शास्त्री	एज्रा	तब-खड़ा-हुआ	
H5975	H1697			H6086	H4026			H5830	H5975	

יְמִינֹו	עַל־	וּמַעֲשֵׂיָה	וְחִלְקִיָּה	וְאוּרִיָּה	וַעֲנָיָה	וְשֶׁמַע	מַתִּתְיָה	אֶצְלֹו
उसके-दाहिने	पर	और-मासेयाह	और-हिल्किय्याह	और-ऊरिय्याह	और-अनायाह	और-शेमा	मत्तित्याह	उसके-पास
H3225		H4641	H2518		H6043	H8087	H4993	H0681

פ	מְשֻׁלָּם׃	זְכַרְיָה	וְחַשְׁבַּדָּנָה	וְחָשֻׁם	וּמַלְכִּיָּה	וּמְשֵׁאָל	פְּדָיָה	וּמִשְּׁמַאלֹו
פ	और-मशुल्लाम	जकर्याह	और-हश्बद्दाना	और-हशूम	और-मल्किय्याह	और-मीशाएल	पदायाह	और-उसके-बाएं
	H4918		H2806	H2828	H4441	H4332	H6305	H8040

एज्रा लकड़ी के उस ऊँचे मंच पर खड़ा था जिसे इस विशेष अवसर के लिये ही बनाया गया था। एज्रा के दाहिनी ओर मत्तित्याह, शेमा, अनायाह, ऊरिय्याह, हिल्किय्याह और मासेयाह खड़े थे और एज्रा के बायीं ओर पदायाह, मीशाएल, मल्किय्याह. हाशूम, हश्बद्दाना, जकर्याह और मशुल्लाम खड़े हुए थे।

5

וַיִּפְתַּח	עֶזְרָא	הַסֵּפֶר	לְעֵינֵי	כָל־	הָעָם	כִּי־	מֵעַל	כָל־	הָעָם	הָיָה
—	—	—	—	—	—	—	—	सब	लोगों-से	था
	H5830			H3605				H3605		H1961

וּכְפִתְחוֹ	עָמְדוּ	כָל־	הָעָם׃
और-जब-उसने-खोली	खड़े-हो-गए	सब	लोग
	H5975	H3605	

फिर एज्रा ने उस पुस्तक को खोला। एज्रा सभी लोगों को दिखायी दे रहा था क्योंकि वह सब लोगों से ऊपर एक ऊँचे मंच पर खड़ा था। एज्रा ने व्यवस्था के विधान की पुस्तक को जैसे ही खोला, सभी लोग खड़े हो गये।

6

וַיְבָרֶךְ	עֶזְרָא	אֶת־	יְהוָה	הָאֱלֹהִים	הַגָּדוֹל	וַיַּעֲנוּ	כָל־	הָעָם	אָמֵן।	אָמֵן
और-धन्य-कहा	एज्रा-ने	को	यहवेह	परमेश्वर	महान	और-उत्तर-दिया	सब	लोगों-ने	आमेन	आमेन
H1288	H5830	H0853	H3068	H0430			H3605		H0543	H0543

בְּמֹעַל	יְדֵיהֶם	וַיִּקְּדוּ	וַיִּשְׁתַּחֲוֻ	לַיהוָה	אַפַּיִם	אָרְצָה׃
उठाते-हुए	अपने-हाथ	और-सिर-झुकाया	और-दण्डवत-किया	यहवेह-को	मुँह	भूमि-तक
H4607	H3027	H6915	H7812	H3068	H0639	H0776

एज्रा ने महान परमेश्वर यहोवा की स्तुति की और सभी लोगों ने अपने हाथ ऊपर उठाते हुए एक स्वर में कहा, “आमीन! आमीन!” और फिर सभी लोगों ने अपने सिर नीचे झुका दिये और धरती पर दण्डवत करते हुए यहोवा की उपासना की।

7

וְיֵשׁוּעַ	וּבָנִי	וְשֵׁרֵבְיָה	יָמִין	עַקּוּב	שַׁבְּתַי	הוֹדִיָּה	מַעֲשֵׂיָה	קְלִיטָא	עֲזַרְיָה	יוֹזָבָד
और-येशूआ	और-बानी	और-शेरेब्याह	यामीन	अक्कूब	शब्बतै	होदिय्याह	मासेयाह	कलीता	अजर्याह	योजाबाद
H3442	H1137	H8274	H3226	H6126	H7678	H1941	H4641	H7042	H5838	H3107

חָנָן	פְּלָאיָה	וְהַלְוִיִּם	מְבִינִים	אֶת־	הָעָם	לַתּוֹרָה	וְהָעָם	עַל־	עָמְדָם׃
हानान	पलायाह	और-लेवीयों-ने	समझाया	को	लोगों	व्यवस्था	और-लोग	पर	अपनी-जगह
H2605		H3881	H0995	H0853		H8451			H5977

लेवीवंश परिवार समूह के इन लोगों ने वहाँ खड़े हुए सभी लोगों को व्यवस्था के विधान की शिक्षा दी। लेवीवंश के उन लोगों के नाम थे: येशू, बानी, शेरेब्याह, यामीन, अक्कूब, शब्बतै, होदियाह, मासेयाह, कलिता, अजर्याह, योजबाद, हानान, और पलायाह।

8

וַיִּקְרְאוּ	בַסֵּפֶר	בְּתוֹרַת	הָאֱלֹהִים	מְפֹרָשׁ	וְשׂוֹם	שֶׂכֶל	וַיָּבִינוּ	בַּמִּקְרָא׃	ס
तब-पढ़ा	पुस्तक-में-से	व्यवस्था-में	परमेश्वर-की	स्पष्टता-से	और-दिया	अर्थ	और-समझाया	पाठ	ס
H7121		H8451	H0430			H7922	H0995	H4744	

लेवीवंश के इन लोगों ने परमेश्वर की व्यवस्था की पुस्तक का पाठ किया। उन्होंने उसकी ऐसी व्याख्या की कि लोग उसे समझ सकें। उसका अभिप्राय: क्या है, इसे खोल कर उन्होंने समझाया। उन्होंने यह इसलिए किया ताकि जो पढ़ा जा रह है, लोग उसे समझ सकें।

9

וַיֹּאמֶר	נְחֶמְיָה	הוּא	הַתִּרְשָׁתָא	וְעֶזְרָא	הַכֹּהֵן।	הַסֹּפֵר	וְהַלְוִיִּם	הַמְּבִינִים	אֶת־
और-कहा	नहेम्याह-ने	वह	राज्यपाल	और-एज्रा	याजक	और-शास्त्री	और-लेवीयों-ने	जो-सिखा-रहे-थे	को
H0559	H5166	H1931	H8660	H5830	H3548		H3881	H0995	H0853

הָעָם	לְכָל־	הָעָם	הַיּוֹם	קָדֹשׁ־	הוּא	לַיהוָה	אֱלֹהֵיכֶם	אַל־	תִּתְאַבְּלוּ	וְאַל־
लोगों	सब	लोगों-से	यह-दिन	पवित्र	है	यहवेह-के-लिए	तुम्हारे-परमेश्वर	नहीं	शोक-करो	और-नहीं
	H3605		H3117	H6918	H1931	H3068	H0430	H0408	H0056	H0408

תִּבְכּוּ	כִּי	בוֹכִים	כָּל־	הָעָם	כְּשָׁמְעָם	אֶת־	דִּבְרֵי	הַתּוֹרָה׃
रोओ	क्योंकि	रो-रहे-थे	सब	लोग	जब-सुने	को	बातें	व्यवस्था-की
H1058		H1058	H3605		H8085	H0853	H1697	H8451

इसके बाद राज्यपाल नहेमायाह याजक तथा शिक्षक एज्रा तथा लेवीवंश के लोग जो लोगों को शिक्षा दे रहे थे, बोले। उन्होंने कहा, “आज का दिन तुम्हारे परमेश्वर यहोवा का विशेष दिन है दु:खी मत होवो, विलाप मत करो।” उन्होंने ऐसा इसलिये कहा था कि लोग व्यवस्था के विधान में परमेश्वर का सन्देश सुनते हुए रोने लगे थे।

לוֹ	נָכוֹן	לְאֵין	מָנוֹת	וְשִׁלְחוּ	מַמְתַּקִּים	וּשְׁתוּ	מַשְׁמַנִּים	אִכְלוּ	לְכוּ	לָהֶם	וַיֹּאמֶר	10
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	
		H0369	H4490	H7971	H4477	H8354		H0398	H3212		H0559	

מָעֻזְּכֶם׃	הִיא	יְהוָה	חֶדְוַת	כִּי־	תֵעָצֵבוּ	וְאַל־	לַאֲדֹנֵינוּ	הַיּוֹם	קָדוֹשׁ	כִּי־
तुम्हारी-शक्ति	है	यहवेह-का	आनन्द	क्योंकि	दुखी-हो	और-नहीं	हमारे-प्रभु-के-लिए	यह-दिन	पवित्र	—
H4581	H1931	H3068	H2304			H0408	H0136	H3117	H6918	

> नहेमायाह ने कहा, “जाओ, और जाकर उत्तम भोजन और शर्बत का आनन्द लो। और थोड़ा खाना और शर्बत उन लोगों को भी दो जो कोई खाना नहीं बनाते हैं। आज यहोवा का विशेष दिन है। दु:खी मत रहो! क्यों क्योंकि परमेश्वर का आनन्द तुम्हें सुदृढ़ बनायेगा।”

וְאַל־	קָדֹשׁ	הַיּוֹם	כִּי	הַסּוּ	לֵאמֹר	הָעָם	לְכָל־	מַחְשִׁים	וְהַלְוִיִּם	11
और-नहीं	पवित्र	यह-दिन	क्योंकि	चुप-रहो	यह-कहते-हुए	लोगों-को	सब	शान्त-किया	तब-लेवीयों-ने	
H0408	H6918	H3117		H2013	H0559		H3605	H2814	H3881	

תֵּעָצֵבוּ׃
दुखी-हो

> लेवीवंश परिवार के लोगों ने लोगों को शांत होने में मदद की। उन्होंने कहा, “चुप हो जाओ, शांत रहो, यह एक विशेष दिन है। दु:खी मत रहो।”

גְּדוֹלָה	שִׂמְחָה	וְלַעֲשׂוֹת	מָנוֹת	וּלְשַׁלַּח	וְלִשְׁתּוֹת	לֶאֱכָל	הָעָם	כָּל־	וַיֵּלְכוּ	12
बड़ा	आनन्द	और-मनाने-को	भाग	और-भेजने-को	और-पीने-को	खाने-को	लोग	सब	और-गए	
	H8057		H4490	H7971	H8354	H0398		H3605	H3212	

ס	לָהֶם׃	הוֹדִיעוּ	אֲשֶׁר	בַּדְּבָרִים	הֵבִינוּ	כִּי
ס	उन्हें	बताई-गई-थीं	जो	बातें	समझ-गए-थे	क्योंकि
		H3045		H1697	H0995	

> इसके बाद सभी लोग उस विशेष भोजन को खाने के लिये चले गये। अपने खाने पीने की वस्तुओं, को उन्होंने आपस में बाँटा। वे बहुत प्रसन्न थे और इस तरह उन्होंने उस विशेष दिन को मनाया और आखिरकार उन्होंने यहोवा की उन शिक्षाओं को समझ लिया जिन्हें उनको समझाने का शिक्षक जतन किया करते थे।

אֶל־	וְהַלְוִיִּם	הַכֹּהֲנִים	הָעָם	לְכָל־	הָאָבוֹת	רָאשֵׁי	נֶאֶסְפוּ	הַשֵּׁנִי	וּבַיּוֹם	13
के-पास	और-लेवीय	याजकों-के-साथ	लोगों-के	सब	पितृभवनों-के	मुखिया	इकट्ठे-हुए	दूसरे	और-दिन-में	
H0413	H3881	H3548		H3605	H0001		H0622	H8145	H3117	

הַתּוֹרָה׃	דִּבְרֵי	אֶל־	וּלְהַשְׂכִּיל	הַסֹּפֵר	עֶזְרָא
व्यवस्था-की	बातें	को	और-समझने-को	शास्त्री	एज्रा
H8451	H1697	H0413			H5830

> फिर महीने की दूसरी तारीख को सभी परिवारों के मुखिया, एज्रा, याजकों और लेवी वंशियो, से मिलने गये और व्यवस्था के विधान के वचनों को समझने के लिए सभी लोग शिक्षक एज्रा को घेर कर खड़े हो गये।

בְּנֵי־	יֵשְׁבוּ	אֲשֶׁר	מֹשֶׁה	בְּיַד־	יְהוָה	צִוָּה	אֲשֶׁר	בַּתּוֹרָה	כָּתוּב	וַיִּמְצְאוּ	14
पुत्र	रहें	कि	मूसा	द्वारा	यहवेह-ने	आज्ञा-दी-थी	जो	व्यवस्था-में	लिखा-हुआ	और-पाया	
	H3427		H4872	H3027	H3068	H6680		H8451	H3789	H4672	

הַשְּׁבִיעִי׃	בַּחֹדֶשׁ	בֶּחָג	בַּסֻּכּוֹת	יִשְׂרָאֵל	
सातवें	महीने-के	पर्व-में	झोपड़ियों-में	इस्राएल-के	
H7637	H2320	H2282	H5521	H3478	

> उन्होंने समझ कर यह पाया कि व्यवस्था के विधान में यह आदेश दिया गया है कि साल के सातवें महीने में इस्राएल के लोगों को एक विशेष पवित्र पर्व मनाने के लिये यरूशलेम जाना चाहिए। उन्हें चाहिए कि वे अस्थायी झोपड़ियाँ बनाकर वहाँ रहें। लोगों को यह आदेश यहोवा ने मूसा के द्वारा दिया था। लोगों से यह अपेक्षा की गयी थी कि वे इसकी घोषणा करें। लोगों को चाहिए था कि वे अपने नगरों और यरूशलेम से गुजरते हुए इन बातों की घोषणा करें: “पहाड़ी प्रदेश में जाओ और वहाँ से तरह तरह के जैतून के पेड़ों की टहनियाँ ले कर आओ। हिना (मेंहदी), खजूर और छायादार सघन वृक्षों की शाखाएँ लाओ, फिर उन टहनियों से अस्थायी आवास बनाओ। वैसा ही करो जैसा व्यवस्था का विधान बनाता है।”

15

וַאֲשֶׁר	יַשְׁמִיעוּ	וְיַעֲבִירוּ	קוֹל	בְּכָל־	עָרֵיהֶם	וּבִירוּשָׁלִַם	לֵאמֹר	צְאוּ	הָהָר
कि	सुनाएं	और-फैलाएं	घोषणा	सब	अपने-नगरों-में	और-यरूशलेम-में	यह-कहते-हुए	जाओ	पहाड़-पर
	H8085			H3605		H3389	H0559	H3318	H2022

וְהָבִיאוּ	עֲלֵי־	זַיִת	וַעֲלֵי־	עֵץ	שֶׁמֶן	וַעֲלֵי	הֲדַס	וַעֲלֵי	תְמָרִים
और-लाओ	डालियां	जैतून-की	और-डालियां	की	तेल-पेड़	और-डालियां	मेंहदी-की	और-डालियां	खजूर-की
H0935	H5929	H2132	H5929	H6086	H8081	H5929	H1918	H5929	H8558

וַעֲלֵי	עֵץ	עָבֹת	לַעֲשֹׂת	סֻכֹּת	כַּכָּתוּב׃	פ
और-डालियां	पेड़ों-की	घनी	बनाने-को	झोपड़ियां	जैसा-लिखा-है	פ
H5929	H6086	H5687		H5521	H3789	

> उन्होंने समझ कर यह पाया कि व्यवस्था के विधान में यह आदेश दिया गया है कि साल के सातवें महीने में इस्राएल के लोगों को एक विशेष पवित्र पर्व मनाने के लिये यरूशलेम जाना चाहिए। उन्हें चाहिए कि वे अस्थायी झोपड़ियाँ बनाकर वहाँ रहें। लोगों को यह आदेश यहोवा ने मूसा के द्वारा दिया था। लोगों से यह अपेक्षा की गयी थी कि वे इसकी घोषणा करें। लोगों को चाहिए था कि वे अपने नगरों और यरूशलेम से गुजरते हुए इन बातों की घोषणा करें: "पहाड़ी प्रदेश में जाओ और वहाँ से तरह तरह के जैतून के पेड़ों की टहनियाँ ले कर आओ। हिना (मेंहदी), खजूर और छायादार सघन वृक्षों की शाखाएँ लाओ, फिर उन टहनियों से अस्थायी आवास बनाओ। वैसा ही करो जैसा व्यवस्था का विधान बनाता है।"

16

וַיֵּצְאוּ	הָעָם	וַיָּבִיאוּ	וַיַּעֲשׂוּ	לָהֶם	סֻכּוֹת	אִישׁ	עַל־	גַּגּוֹ
—	—	और-लाए	और-बनाई	अपने-लिए	झोपड़ियां	प्रत्येक-ने	पर	अपने-घर-की-छत
H3318		H0935		H1992	H5521	H0376		H1406

וּבְחַצְרֹתֵיהֶם	וּבְחַצְרוֹת	בֵּית	הָאֱלֹהִים	וּבִרְחוֹב	שַׁעַר	הַמַּיִם	וּבִרְחוֹב	שַׁעַר	אֶפְרָיִם׃
या-अपने-आंगनों-में	या-आंगनों-में	भवन	परमेश्वर-के	और-चौक-में	फाटक	जल-के	और-चौक-में	फाटक	एप्रैम-के
			H0430	H7339	H8179	H4325	H7339	H8179	H0669

> सो लोग बाहर गये और उन—उन पेड़ों की टहनियाँ ले आये और फिर उन टहनियों से उन्होंने अपने लिये अस्थायी झोपड़ियाँ बना लीं। अपने घर की छतों पर और अपने—अपने आँगनों में उन्होंने झोपड़ियाँ डाल लीं। उन्होंने मन्दिर के आँगन जल—द्वार के निकट के खुले चौक और एप्रैम द्वार के निकट झोपड़ियाँ बना लीं।

17

וַיַּעֲשׂוּ	כָל־	הַקָּהָל	הַשָּׁבִים	מִן־	הַשְּׁבִי	סֻכּוֹת	וַיֵּשְׁבוּ	בַסֻּכּוֹת	כִּי	לֹא־
तब-बनाई	सम्पूर्ण	सभा-ने	जो-लौटे-थे	से	बंधुआई	झोपड़ियां	और-बैठे	झोपड़ियों-में	क्योंकि	नहीं
	H3605	H6951	H7725			H5521	H3427	H5521		H3808

עָשׂוּ	מִימֵי	יֵשׁוּעַ	בִן־	נוּן	כֵּן	בְּנֵי	יִשְׂרָאֵל	עַד	הַיּוֹם	הַהוּא	וַתְּהִי
किया-था	दिनों-से	यहोशूआ	पुत्र	नून-के	ऐसा	पुत्रों-ने	इस्राएल-के	से	दिन	उस	और-था
	H3117	H3442		H5126			H3478	H5704	H3117	H1931	H1961

שִׂמְחָה	גְּדוֹלָה	מְאֹד׃
आनन्द	बड़ा	बहुत
H8057		H3966

> इस्राएल के लोगों की उस समूची टोली ने जो बंधुआपन से छूट कर आयी थी, आवास बना लिये और वे अपनी बनाई झोंपड़ियों में रहने लगे। नून के पुत्र यहोशू के समय से लेकर उस दिन तक इस्राएल के लोगों ने झोंपड़ियों के त्यौहार को कभी इस तरह नहीं मनाया था। हर व्यक्ति आनन्द मग्न था!

18

וַיִּקְרָא	בְּסֵפֶר	תּוֹרַת	הָאֱלֹהִים	יוֹם	בְּיוֹם	מִן־	הַיּוֹם	הָרִאשׁוֹן	עַד	הַיּוֹם
और-पढ़ा	पुस्तक-में-से	व्यवस्था-की	परमेश्वर-की	दिन	प्रति-दिन	से	दिन	पहले	से	दिन
H7121		H8451	H0430	H3117	H3117		H3117	H7223	H5704	H3117

הָאַחֲרוֹן	וַיַּעֲשׂוּ־	חָג	שִׁבְעַת	יָמִים	וּבַיּוֹם	הַשְּׁמִינִי	עֲצֶרֶת	כַּמִּשְׁפָּט׃	פ
अंतिम	और-मनाया	पर्व	सात	दिन	और-दिन-में	आठवें	पवित्र-सभा	विधि-के-अनुसार	פ
H0314		H2282	H7651	H3117	H3117	H8066	H6116	H4941	

> उस पर्व के हर दिन एज्रा उन लोगों के लिये व्यवस्था के विधान की पुस्तक में से पाठ करता रहा। उस पर्व के पहले दिन से अंतिम दिन तक एज्रा उन लोगों को व्यवस्था का विधान पढ़ कर सुनाता रहा। इस्राएल के लोगों ने सात दिनों तक उस पर्व को मनाया। फिर व्यवस्था के विधान के अनुसार आठवें दिन लोग एक विशेष सभा के लिए परस्पर एकत्र हुए।